

कृष्ण जन्माष्टमी पूजा मंत्र

शुद्धि मंत्र:

ओम अपवित्रः पवित्रोवा सर्वावस्थां गतोअपि वा। यः स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः

हाथ में फूल लेकर श्रीकृष्ण का ध्यान करें :

वसुदेव सुतं देव कंस चाणूर मर्दनम्। देवकी परमानंदं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्।। हे वसुदेव के पुत्र कंस और चाणूर का अंत करने वाले, देवकी को आनंदित करने वाले और जगत में पूजनीय आपको नमस्कार है।

जन्माष्टमी पूजन संकल्प मंत्र :

‘यथोपलब्धपूजनसामग्रीभिः कार्यं सिद्धयर्थं कलशाधिष्ठित देवता सहित, श्रीजन्माष्टमी पूजनं महं करिष्ये।

भगवान श्रीकृष्ण आवाहन मंत्र:

अनादिमाद्यं पुरुषोत्तमोत्तमं श्रीकृष्णचन्द्रं निजभक्तवत्सलम्। स्वयं त्वसंख्याण्डपतिं परात्परं राधापतिं त्वां शरणं ब्रजाम्यहम्।।

आसन मंत्र :

रम्यं सुशोभनं दिव्यं सर्वासौख्यकरं शुभम्। आसनं च मया दत्तं गृहाण परमेश्वर।

भगवान को अर्घ्य दें :

अर्घ्यं गृहाण देवेश गन्धपुष्पाक्षतैः सह। करुणां करु मे देव! गृहाणार्घ्यं नमोस्तु ते।।

आचमन मंत्र :

सर्वतीर्थसमायुक्तं सुगन्धं निर्मलं जलम्। आचम्यतां मया दत्तं गृहत्वा परमेश्वर।

स्नान मंत्र :

गंगा, सरस्वती, रेवा, पयोष्णी, नर्मदाजलैः। स्नापितोअसि मया देव तथा शांतिं कुरुष्व मे।।

पंचामृत स्नान :

पंचामृतं मया आनीतं पयोदधि घृतं मधु। शर्करा च समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।

भगवान श्रीकृष्ण को वस्त्र अर्पित करने का मंत्र :

शीतवातोष्णसन्नाणं लज्जाया रक्षणं परम्। देहालअंगकरणं वस्त्रमतः शान्तिं प्रयच्छ मे।

यज्ञोपवीत अर्पित करने का मंत्र:

यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्। आयुष्मयग्यं प्रतिमुञ्ज शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः।।

चंदन लगाने का मंत्र:

श्रीखंड चंदनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम्। विलेपनं सुरश्रेष्ठ चंदनं प्रतिगृह्यताम्।।

भगवान को फूल चढाएं:

माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो। मया आहतानि पुष्पाणि पूजार्थं प्रतिगृह्यताम्।

भगवान को दूर्वा चढाएं:

दूर्वाकुरान् सुहरितानमृतान्मंगलप्रदान्। आनीतांस्तव पूजार्थं गृहाण परमेश्वर।।

भगवान को नैवेद्य भेंट करें:

इदं नाना विधि नैवेद्यानि ओम नमो भगवते वासुदेवं, देवकीसुतं समर्पयामि।

भगवान को आचमन कराएं:

इदं आचमनम् ओम नमो भगवते वासुदेवं, देवकीसुतं समर्पयामि।